



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2025 / 780

दर्ज तिथि:-15.12.2025

1. सुजानाराम पुत्र दजाराम
2. आदाराम पुत्र दजाराम
3. पीराराम पुत्र दजाराम
4. शंकराराम पुत्र खेताराम
5. कलाराम पुत्र खेताराम
6. केसाराम पुत्र खेताराम
7. टीपूदेवी पत्नी खेताराम
8. मोतीराम पत्नी जेठाराम
9. लवंगोदेवी पत्नी जेठाराम
10. प्रलादराम पुत्र गोदाराम
11. गीता पुत्री गोदाराम
12. सीता पुत्री गोदाराम
13. उगम पुत्री गोदाराम
14. विक्रम पुत्र गोदाराम (विप्रार्थी सं. 12 ता 14 नाबालिग जरिये संरक्षक कुदरती वलिया माता पंखीदेवी)
15. पंखीदेवी पत्नी गोदाराम
16. गंगदा वल्द हमीरा लाओलाद फौत
17. जातियान कलबी निवासी लूणवा जागीर, पटवार मण्डल लूणवा जागीर तहसील गुडामालानी जिला बालोतरा।

.....प्रार्थीगण

बनाम

1. अणदाराम पुत्र मोटाराम
2. ईराराम पुत्र मदरूपा
3. जोधाराम पुत्र अणदाराम
4. धर्मो पत्नी मदरूपा
5. नरेन्द्र कुमार पुत्र अणदाराम
6. नारणाराम पुत्र मदरूपा
7. मेघाराम पुत्र अणदाराम
8. मनराराम पुत्र अणदाराम
9. मालाराम पुत्र मदरूपाराम
10. मोगाराम पुत्र मोटाराम

11. वजाराम पुत्र मदरूपा
जाति कलबी निवासी लूणवा जागीर तहसील गुड़ामालानी।
12. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुड़ामालानी
13. आम्बा पुत्र मोटा
14. कस्तुरा पुत्र मोटा
15. पदमाराम पुत्र परबता
16. कृष्णकुमार पुत्र परबता
17. तीजों पत्नी परबता
18. दजाराम पुत्र परबता
19. भूराराम पुत्र भगवाना
20. भादाराम पुत्र भगवाना
21. मालाराम पुत्र भगवाना
22. उदाराम पुत्र भगवाना
23. कोंकू पत्नी भगवाना
24. नरींगाराम पुत्र भगवाना
25. नानजीराम पुत्र भगवाना
जाति कलबी निवासी लूणवा जागीर तहसील गुड़ामालानी जिला बालोतरा।

..... अप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थी:- श्री चिमनसिंह चौधरी
अप्रार्थी सं. 1 ता 11- श्री जगदीश विश्नोई
शेष अप्रार्थीगण:-अनुपस्थित

प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए
राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955

:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:-25.05.2026

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 615/5.1395 है0 मौजा लूणवा जागीर तहसील गुड़ामालानी में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके पर विद्यमान मार्ग खसरा संख्या 614/6.3050 है0 मौजा लूणवा जागीर तहसील गुड़ामालानी से होते हुए कट्टाण रास्ते तक चालू है। परंतु विप्रार्थी के खसरा संख्या 614 मौजा लूणवा जागीर में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः खसरा संख्या 614 से होकर परिशिष्ट 'अ' के अनुसार नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु अनुतोष चाहा गया है। प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त परिशिष्ट 'अ' के अनुसार आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 01 ता 11 विधिवत तामिल बाद असालतन-वकालतन उपस्थित न्यायालय हुए। शेष अनुपस्थित अप्रार्थीगण के विरुद्ध विधिवत तामिल बावजूद अनुपस्थित रहने के कारण अनुपस्थित अप्रार्थीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा जवाब मय परिशिष्ट 'ब' प्रस्तुत कर निम्न प्रकार निवेदन किया-
- 2.1. प्रार्थीगण द्वारा खसरा संख्या 614 मौजा लूणवा जागीर से रास्ता का अनुतोष चाहा गया है। लेकिन खसरा संख्या 614 में से कोई रास्ता चलित नहीं है।
 - 2.2. कि प्रार्थीगण के आराजी खसरा संख्या 615 के दक्षिणी दिशा में खसरा संख्या 618/5 तक कटाण रास्ता आया हुआ है। उक्त कटाण से प्रार्थी की आराजी खसरा संख्या 615 की दुरी लघुत्तम है। प्रार्थी उक्त रास्ते का उपयोग आवागमन में लेते आ रहे हैं। जिसे परिशिष्ट 'ब' में प्रदर्शित किया गया है।
 - 2.3. अतः प्रार्थी को खसरा संख्या 618/5 मौजा लूणवा जागीर से होकर लघुत्तम मार्ग से रास्ता दिया जावे तथा अप्रार्थी की खातेदारी के खसरा संख्या 614 में से होकर रास्ता का अनुतोष खारिज किया जावे।
3. प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अनुसार मौका जॉच रिपोर्ट तलब की गई। तत्पश्चात् प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भूअ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 अनुसार प्रेषित मौका रिपोर्ट तैयार करने में अपनायी गई प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<i>Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or</i>	भू-अभिलेख निरीक्षक, गुड़ामालानी मय पटवारी मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
<i>get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records</i>	प्रकरण में भू-अभिलेख द्वारा मय पटवारी स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।
प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।	1. प्रकरण में समस्त प्रार्थीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त अप्रार्थीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। रिपोर्ट का नजरी नक्शा निम्न प्रकार है:-

जिरह

4. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक प्रार्थी की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौरान-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दीहराते हुए प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया। दौरान-ए-जिरह अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 01 ता 11 द्वारा निवेदन किया गया कि प्रार्थी का अपनी आराजी खसरा संख्या 615 तक आवागमन खसरा संख्या 618/5 में कटाण रास्ते से करता आ रहा है। इसलिए प्रार्थी का उक्त प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने का निवेदन किया। साथ ही अभिकथन किया कि तहसीलदार द्वारा प्रेषित मौका में खसरा संख्या 614 में से प्रस्तावित रास्ता बरंग गुलाबी में दो ओरडी आ रही है। इसलिए प्रार्थी को खसरा संख्या 618/5 में से या तहसीलदार द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट में रूट स 02 खसरा संख्या 613 में से प्रस्तावित रास्ता बरंग पीला में से प्रदान किया जावे। क्योंकि उक्त रूट में कोई मकान, ढाणी इत्यादि नहीं आ रही है तथा खसरा संख्या 613 के खातेदारान को सेढा सेढ क्षतिपूर्ति दी जा रही है।

कानूनी-प्रावधान

5. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मेहन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है-

251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -

(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding, or

(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding, and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or

nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted or in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.

(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.

(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

68. Application under Sec. 251-A. - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

69. Enquiry and disposal of application. - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

70. Determination of compensation. - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee, constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

विश्लेषण

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी खातेदारी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफ्त हेतु अन्य खातेदारों की खातेदारी आराजी में से होकर कुछ शर्तों के अधीन नवीन रास्ता रिकॉर्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार हैं-

1. प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता

7. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955 के नियम-68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम प्रथम शर्त प्रार्थी हेतु रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत सर्वप्रथम यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है अथवा नहीं। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न तीन स्थितियां सामने आती हैं:-

1. प्रथम स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर चालू है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते से ही आवागमन करना

चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।

2. द्वितीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता पूर्व से उपलब्ध है और उक्त रिकॉर्डेड रास्ता मौके पर अतिक्रमण की वजह से चालू नहीं है तो ऐसी स्थिति में प्रार्थी को उक्त रिकॉर्डेड रास्ते को मौके पर अतिक्रमण हटवाकर चालू करवाने के लिये संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए अनुतोष प्राप्त करना चाहिए। इस स्थिति में उक्त आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है।
3. तृतीय स्थिति में अगर प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता उपलब्ध नहीं है तो उस स्थिति में प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को प्रथम शर्त को पुष्ट मानते हुए द्वितीय शर्त पर परखा जाना चाहिए।
8. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-3 में अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भूअ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट के अवलोकन से भी प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक रिकॉर्डेड रास्ते का अंकन नहीं होना स्पष्ट किया गया है। प्रकरण में राजस्व ग्राम लूणवा जागीर तहसील गुड़ामालानी के राजस्व नक्शे में प्रासंगिक भाग के अवलोकन से प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक विद्यमान रास्ते से मुख्य सड़क तक पहुंच हेतु कोई वैकल्पिक रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। इस प्रकार प्रकरण उक्त तृतीय स्थिति के अंतर्गत आता है एवं शर्त संख्या 01 की पूर्णरूप से पुष्टि प्रतीत होती है।

रास्ते की आत्यांतिक आवश्यकता

9. प्रथम शर्त की पुष्टि पश्चात् द्वितीय शर्त खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रावधान के अंतर्गत यह देखा जाना आवश्यक है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक है। उक्त शर्त के विश्लेषण में निम्न स्थितियां सामने आती हैं:-
 1. प्रथम स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से आरम्भ होकर प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड एवं विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते से आगे अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।

2. द्वितीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक पहुंचने वाले लेकिन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होकर केवल मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क को धारा-251-ए के तहत विद्यमान मौके पर चालू कदीमी रास्ते/सड़क की चौड़ाई या विस्तारित चौड़ाई के रास्ते पर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि प्रार्थी द्वारा पूर्व से ही विद्यमान/मौके पर चालू रास्ते को ही रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु रास्ता चाहा गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होता है। उक्त स्थिति में भी प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
3. तृतीय स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरो से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह संशय उत्पन्न होता है कि प्रार्थी द्वारा गलत मंशा से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक नहीं होकर केवल सुविधाजनक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि नहीं करता प्रतीत होता है।
4. चतुर्थ स्थिति में प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ता पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से कोई संबंध नहीं रखता है तथा प्रार्थी द्वारा केवल एक या एक से अधिक खसरो से होकर नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु सम्पूर्ण रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु अनुतोष नहीं चाहा गया है। यहां यह स्थिति हो सकती है कि जिन खसरो से रास्ते का अंकन नहीं चाहा गया है वो कोई प्रतिबंधित भूमि किस्म या सामलाती भूमि यथा-चारागाह, नदी, नाले आदि के खसरे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्रतिबंधित भूमि किस्म या सामलाती भूमि से होकर रास्ते के अंकन की आवश्यकता नहीं होती है। ऐसी स्थिति में केवल खातेदारी भूमि से होकर रास्ते का अंकन तथा प्रतिबंधित भूमि में रास्ते का गैर-अंकन अपेक्षित होता है। इस स्थिति में प्रार्थी को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि करता प्रतीत होता है।
5. पंचम स्थिति में किसी प्रकरण में किसी खातेदार की खातेदारी आराजी तक पूर्व से ही रिकॉर्डेड रास्ते की पहुंच उपलब्ध है। परंतु उस खातेदार द्वारा पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड/कट्टाण रास्ते/सड़क से भिन्न मार्ग से होकर अपनी आराजी तक नवीन रास्ता चाहा गया है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि किसी खातेदार द्वारा पूर्व से ही दर्ज रिकॉर्ड एवं विद्यमान/मौके पर चालू

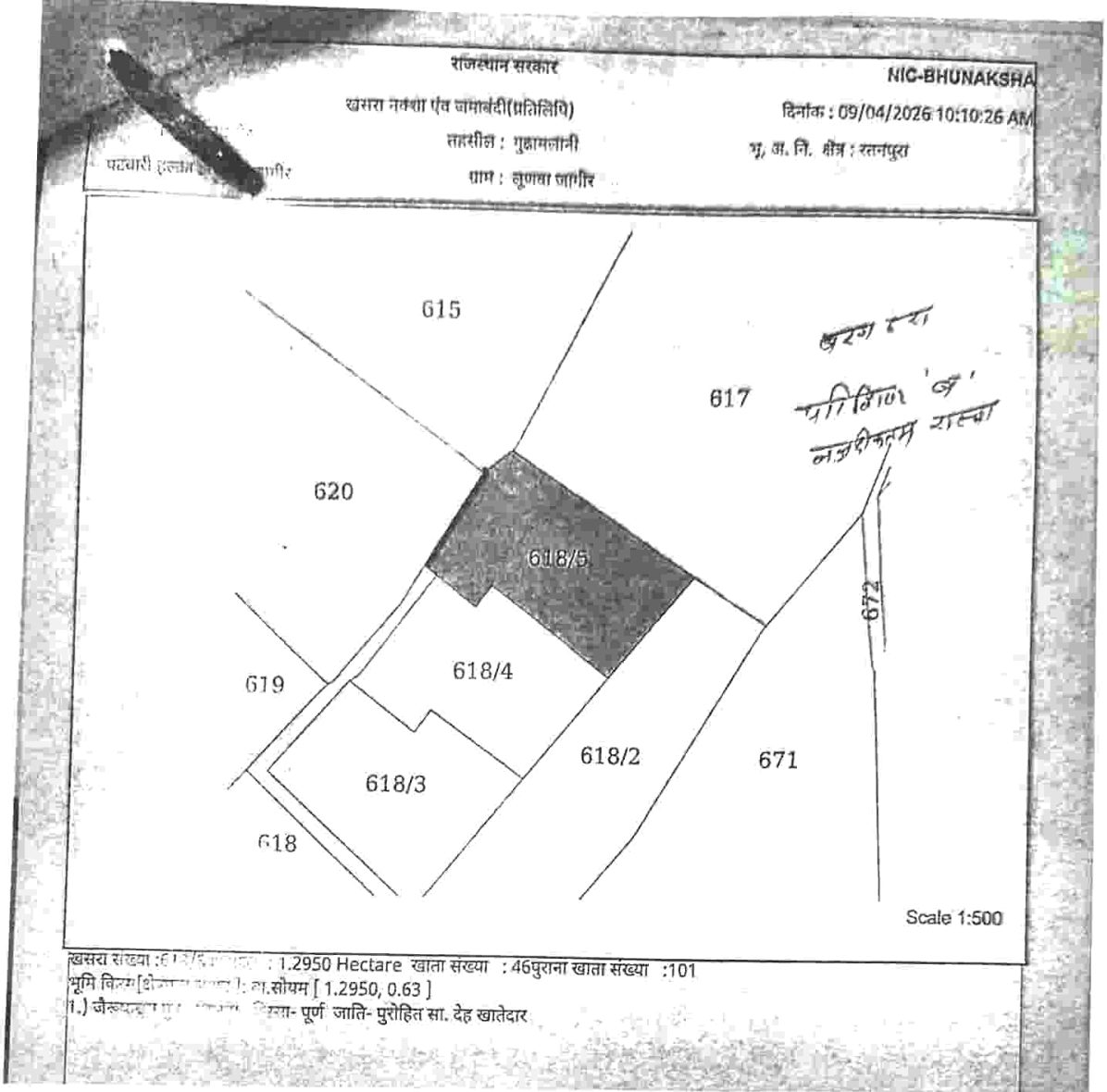
रास्ते से भिन्न मार्ग से होकर अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु रास्ता चाहा गया है। ऐसा आवेदन प्रार्थी के आवास व खातेदारी आराजी के मध्य लघुत्तम व सुविधाजनक रास्ते की मंशा के साथ किया गया प्रतीत होता है। इस स्थिति में उस खातेदार को अपनी खातेदारी आराजी तक पहुंच हेतु वास्तव में रास्ते की आवश्यकता आत्यांतिक नहीं होकर केवल सुविधाजनक प्रतीत होती है। उक्त स्थिति में उस खातेदार का प्रार्थना-पत्र द्वितीय शर्त की पुष्टि नहीं करता प्रतीत होता है।

10. प्रकरण का उक्त पांच परिस्थितियों पर विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955, के नियम 68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-3 में अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट के अवलोकन से भी प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक रिकॉर्डेड रास्ते का अंकन नहीं होना स्पष्ट किया गया है। प्रकरण में राजस्व ग्राम लूणवा जागीर के राजस्व नक्शे में प्रासंगिक भाग के अवलोकन से प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी तक विद्यमान रास्ते से मुख्य सड़क तक पहुंच हेतु कोई वैकल्पिक रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है। उक्त प्रकरण स्थिति संख्या 01 के अंतर्गत आता है। प्रकरण में प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 615 मौजा लूणवा जागीर है। प्रार्थी द्वारा खसरा संख्या 614 के सेढे पर अवस्थित कट्टाण रास्ते से अपनी खातेदारी आराजी तक रास्ते हेतु आवेदन किया है। प्रकरण में खसरा संख्या 614 के सेढे पर अवस्थित कट्टाण रास्ते से प्रार्थी के खातेदारी आराजी के मध्य अवस्थित खसरा संख्या 614 में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। इस प्रकार प्रकरण में प्रार्थी को नवीन रास्ते की आवश्यकता केवल सुविधाजनक नहीं होकर आत्यांतिक प्रतीत होती है। इस प्रकार शर्त संख्या 02 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। अतः उक्त विश्लेषण के अनुसार शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार प्रार्थी का नवीन रास्ते बाबत अनुतोष स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकॉर्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है। अब इसके पश्चात तृतीय शर्त बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुत्तम मार्ग रास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है।

लघुत्तम मार्ग

11. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रार्थी की खातेदारी आराजी 615 मौजा लूणवा जागीर में पहुँच के प्रयोजन के लिए मौके अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 614 मौजा लूणवा जागीर में से होकर रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव होने से नवीन रास्ते का अनुतोष चाहा गया है। अतः अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 614 मौजा लूणवा जागीर के सेढे से होकर नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु निवेदन किया है।

12. प्रकरण में अप्रार्थी द्वारा जवाब प्रस्तुत करते हुए लघुत्तम मार्ग हेतु एक तृतीय विकल्प का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। तृतीय- अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित तृतीय वैकल्पिक रास्ता जो आराजी खसरा संख्या 618/5 में से प्रस्तावित किया गया है। उक्त तृतीय विकल्प का नजरी नक्शा निम्न प्रकार है:-



13. प्रकरण में उक्त तीनों रास्तों के विकल्पों का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित तृतीय विकल्प का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। उक्त तृतीय विकल्प के द्वारा अप्रार्थी द्वारा खसरा संख्या 618/5 मौजा लूणवा जागीर से होकर रास्ता प्रस्तावित किया है। प्रथमदृष्टया राजस्व रिकॉर्ड को देखने में यह विकल्प अन्य विकल्पों से लघुत्तर प्रतीत होता है। परंतु इस विकल्प में प्रस्तावित मार्ग किसी कट्टाण रास्ते से जुड़ा हुआ नहीं है। उक्त तृतीय विकल्प को राजस्व रिकॉर्ड में खसरा संख्या 618/7 किस्म बारानी दायम से जोड़ा गया है। राजस्व रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि खसरा संख्या 618/7 किस्म बारानी दायम वर्तमान में संयुक्त खातेदारों की निजी खातेदारी में दर्ज है। इस प्रकार स्पष्ट है कि खसरा संख्या 618/7 किस्म बारानी दायम कोई कट्टाण रास्ता नहीं होकर संयुक्त खातेदारों की

कृषि भूमि खातेदारी आराजी में दर्ज रिकॉर्ड है। उक्त खसरा संख्या 618/7 किस्म बारानी दोगम की तरमीम के कारण इस कृषि भूमि को रास्ता नहीं माना जा सकता है। अब खसरा संख्या 618/7 तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत खसरा संख्या 618/5 में प्रस्तावित मार्ग की कुल लम्बाई बहुत अधिक व अन्य दोनों विकल्पों से ज्यादा होने के कारण यह विकल्प लघुत्तम विकल्प प्रतीत नहीं होता है। इस कारण इस प्रस्ताव को तृतीय विकल्प माना जाना व्यावहारिक व कानूनी प्रतीत नहीं होता है।

14. प्रकरण में उक्त शेष दोनों रास्तों के विकल्पों का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। **प्रथम विकल्प** प्रस्तावित वैकल्पिक रास्ता जो कटाण सड़क से खसरा संख्या 614 से होकर प्रस्तावित किया है। **द्वितीय विकल्प** प्रथम विकल्प के सेढा सेढ कटाण सड़क से खसरा संख्या 613 से होकर प्रार्थी की आराजी तक प्रस्तावित किया है। प्रथम व द्वितीय विकल्प लगभग समान दूरी के हैं। प्रकरण में निम्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते/नजदीकी रास्ते के मार्ग का निर्धारण किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है:-

स्थिति	विवरण
1.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की सीमा।
2.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की व्यावहारिकता।
3.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की प्रार्थी की रहवास/घर के संदर्भ में व्यावहारिकता।
4.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे की अप्रार्थी की खातेदारी आराजी के रकबे के संदर्भ में व्यावहारिकता।
5.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे की क्षतिपूर्ति की प्रकृति (राशि/भूमि के बदले भूमि) के संदर्भ में व्यावहारिकता।
6.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर अप्रार्थीगणों के मध्य सहमति/असहमति के संदर्भ में व्यावहारिकता।
7.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प

सुजानाराम बनाम अणदाराम

2025 / 780

निर्णय दिनांक:-25.05.2026

	पर प्रार्थी द्वारा पूर्व से आमद-रफत के संदर्भ में व्यावहारिकता।
8.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अन्य काश्तकारों को होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
9.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर निर्माण/वृक्ष व अन्य सम्पतियों की अवस्थिति के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
10.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अप्रार्थी के खसरे/संयुक्त खसरो/मौके पर एकल चकबंदी के खसरो के विखण्डन के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
11.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर आने वाले खसरे/खसरो की संख्या के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
12.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर आने वाले खसरे/खसरो के खातेदारों की एकलता/बहुलता के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।
13.	अन्य बिन्दु जो न्यायालय प्रकरण-दर-प्रकरण आवश्यक समझे।

15. प्रकरण में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भूअ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट तथा प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर पैरा संख्या-12 परिस्थितियों के दृष्टिकोण से विश्लेषण निम्न प्रकार है:-

स्थिति	विवरण	रूट संख्या-01	रूट संख्या-02	प्राथमिकता
1.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की	समान		-

RajKaj Ref No.:
22684238

Signed by: KESHAV
RUMAR MEENA, Sub
Divisional Officer
Date: 2026-06-05
18:05:40 +05:30

	सीमा।		
2.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते की लम्बाई एवं अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की लम्बाई के अंतर की व्यावहारिकता।	समान	—
3.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प की प्रार्थी की रहवास/घर के संदर्भ में व्यावहारिकता।	मुताबिक तहसीलदार मौका निरीक्षण रूट संख्या-01 पर आना अप्रार्थीगण के अस्थाई निर्माण है। पीठासीन अधिकारी द्वारा मौका निरीक्षण के संज्ञान में आया है कि उक्त निर्माण प्रार्थी द्वारा रास्ते के आवेदन के पश्चात् किये गये हैं। जिनमें कोई रहवास नहीं है तथा बहुत ही कच्चे/चीणों से निर्मित अस्थाई निर्माण हैं।	रूट संख्या-02
4.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे की अप्रार्थी की खातेदारी आराजी के रकबे के संदर्भ में व्यावहारिकता।	समान	—
5.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प में आने वाली आराजी के रकबे	अप्रार्थीगण की आराजी खसरा संख्या 614 तथा प्रार्थीगण की आराजी खसरा संख्या 615 आपस में सेढे अवस्थित	भूमि के बदले भूमि का विकल्प एक खांचानुमा होने के कारण कृषि कार्य हेतु व्यावहारिक नहीं होकर एक तरह

सुजानाराम बनाम अणदाराम

2025 / 780

निर्णय दिनांक:-25.05.2026

	की क्षतिपूर्ति की प्रकृति (राशि/भूमि के बदले भूमि) के संदर्भ में व्यावहारिकता।	होने के कारण भूमि के बदले भूमि का विकल्प उपलब्ध है।	से अनुपलब्ध है।	
6.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर अप्रार्थीगणों के मध्य सहमति/असहमति के संदर्भ में व्यावहारिकता।	उक्त दोनो ही प्रस्तावित मार्गों पर प्रार्थीगणों व अप्रार्थीगणों के मध्य कोई सहमति नहीं है।		-
7.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर प्रार्थी द्वारा पूर्व से आमद-रफ्त के संदर्भ में व्यावहारिकता।	प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी वर्तमान में खसरा संख्या 614 से होकर आवागमन करते आ रहे हैं। रूट संख्या 02 से प्रार्थी के खेत व रहवास से सीधा जुड़ाव नहीं होता है। जबकि रूट संख्या 01 से प्रार्थी के खेत व रहवास से सीधा जुड़ाव होता है।	रूट संख्या-01	
8.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अन्य काश्तकारों को होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।	नहीं	नहीं	-
9.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य	अप्रार्थी के खसरा संख्या 614 में उक्त रास्ते पर अप्रार्थीगण का	नहीं	-

	लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर निर्माण/वृक्ष व अन्य सम्पत्तियों की अवस्थिति के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।	अस्थाई निर्मित कच्चे निर्माण अवस्थित है।		
10.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प से अप्रार्थी के खसरे/संयुक्त खसरों/मौके पर एकल चकबंदी के खसरों के विखण्डन के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।	नहीं	नहीं	-
11.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर आने वाले खसरे/खसरों की संख्या के दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यावहारिकता।	नहीं	नहीं	-
12.	प्रार्थी द्वारा आवेदित रास्ते तथा अप्रार्थी द्वारा प्रस्तावित/तहसीलदार की मौका रिपोर्ट द्वारा किसी अन्य लघुत्तम रास्ते/नजदीकी रास्ते का प्रस्तावित विकल्प पर आने वाले खसरे/खसरों के खातेदारों की एकलता/बहुलता के दृष्टिकोण के संदर्भ में	नहीं	नहीं	-

	व्यावहारिकता।			
13.	अन्य बिन्दु जो न्यायालय प्रकरण-दर-प्रकरण आवश्यक समझे।	नहीं	नहीं	-

16. प्रकरण में उक्त विश्लेषण के पश्चात् प्रकरण में यथासंभव समस्त तथ्यों का विश्लेषण के पश्चात् रूट संख्या-01 ही लघुत्तम/नजदीकी मार्ग का व्यावहारिक विकल्प प्रतीत होता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम/नजदीकी मार्ग का विकल्प तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट द्वारा प्रस्तावित नीले रंग से अंकित का विकल्प रूट संख्या-01 को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

17. इस प्रकार उक्त प्रकरण में राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के विधिक प्रावधानों के सन्दर्भ में प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 को प्रेषित की गई मौका जॉच रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के आधार पर प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क काबिल-ए स्वीकार है। अतः तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 की मौका जॉच रिपोर्ट में विकल्प नं. 1 मय नजरी नक्शा के अनुसार खसरा संख्या 614 में से बरंग गुलाबी से अंकित मार्ग पर गैर मुमकिन रास्ता दर्ज करते हुए रास्ते के रूप में दर्ज भूमि की क्षतिपूर्ति प्रार्थी की आराजी खसरा संख्या 615 मौजा लूणवा जागीर में से करवाने के पश्चात् राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना न्यायसंगत प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र पत्रावली तथा तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा के अवलोकन एवं विश्लेषित निष्कर्षानुसार स्वीकार किया जाता है। साथ ही आदेश दिये जाते हैं कि अप्रार्थी की खातेदारी आराजी 614 मौजा लूणवा जागीर से होकर प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 615 तक 2 गट्टा चौड़ाई के रास्ते में आयी भूमि के एवज में समान रकबे से अनिम्न रकबे की भूमि प्रस्ताव में खसरा संख्या 615 में अंकित नीले रंग से प्रदर्शित स्थान पर सेढासेढ प्रार्थी की खातेदारी आराजी से कम करते हुए अप्रार्थी संख्या 01 से 12 की खातेदारी में दर्ज करते हुए तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा प्रेषित शामिल मिसल रिपोर्ट पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा खसरा संख्या 614 में बरंग गुलाबी से प्रदर्शित मार्ग पर नवीन रास्ते को खाता संख्या-1

सुजानाराम बनाम अणदाराम

2025 / 780

निर्णय दिनांक:-25.05.2026

सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावे। पत्रांक/भू.अ./2026/2341 दिनांक 17.04.2026 की मौका जॉच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।

उक्त निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवायी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 25.05.2026 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
सहायक कलक्टर
गुड़ामालानी

